PAPER-III
DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 1 1 1 0

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES
रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस–बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Write an essay on "Indo-Pak relations-post 26/11".

   "26/11 के पश्चात भारत-पाक सम्बन्धों" पर एक निबन्ध लिखिए ।

   OR / अथवा

   Discuss the geopolitical changes in the world after the end of cold war and its implications on security in South Asia.

   शीत युद्ध की समाप्ति के बाद विश्व में घटित भू-राजनीतिक परिवर्तनों की तथा दक्षिणी एशिया की सुरक्षा पर उनके प्रभावों की विवेचना कीजिए ।

2. Discuss internal security problems of India.

भारत की आन्तरिक सुरक्षा समस्याओं को समझाइये ।

OR / अथवा

Write an essay on India's Maritime Strategy for the 21st century.

इक्कीसवीं शताब्दी में भारत की सामुद्रिक स्त्रातजी पर निबन्ध लिखिये ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **पन्द्रह-पन्द्रह (15)** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Describe various methods of conflict management.

संघर्ष प्रबन्धन की विभिन्न विधियों की विवेचना कीजिये ।

4. Define Terrorism and explain its kinds.

आतंकवाद को परिभाषित कीजिए तथा उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

5. Explain the national security organization of India with its role in India's national security.

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा संगठन तथा उसकी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में भूमिका को समझाइये ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Define Defence & Security.
रक्षा तथा सुरक्षा को परिभाषित कीजिये ।

7. Name fundamental objectives of national security.
राष्ट्रीय सुरक्षा के मूलभूत उद्देश्यों को नामांकित कीजिये ।

8. Explain the concept of deterrence.
भय प्ररोधन की विचारधारा को समझाइये ।

9. Define Militarism.
सैन्यवाद को परिभाषित कीजिये ।

10. Write a note on Mobilization of Resources for Defence.
रक्षा हेतु संसाधनों की लामबंदी पर टिप्पणी लिखिए ।

11. What do you understand by limited war ?
सीमित युद्ध से आप क्या समझते हैं ?

12. What is acid rain ?
अम्ल वर्षा क्या है ?

13. Explain the term peace making.
शान्ति स्थापना की उक्ति को समझाइये ।

14. Name various elements of National Power.
राष्ट्रीय शक्ति के विभिन्न तत्त्वों को नामांकित कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Relations between India and China appear positive on the surface. Economic ties between the two countries are booming with China set to become India's leading trade partner in the next decade. Bilateral trade is increasing. There are regular high level meetings between the two nations to further their strategic dialogue and 2006 was declared as a Sino-Indian Friendship year. A ten point strategy was adopted in that year during the visit of Mr. Hu Jintao, President of the People's Republic of China, to promote sustainable socio-economic development of the two countries and to upgrade their relations to a qualitatively new level. The strategy covered a vast canvas including development of defence cooperation, settlement of the border issues, science and technology including nuclear power and cooperation on the regional and international stage. The rise of China and India is one of the most important events in the development of the world economy in the late 20^{th} and early 21^{st} centuries. The main reason is that they are both demographic giants and, should the trend continue in the coming decades, it will significantly change the economic map of the planet. With the end of the Cold War, tensions in South Asia decreased momentarily only to become more complex than ever before. The economic angle now plays an all important role in the relationships of nations. China is not comfortable with the growing importance of India. It perceives India as a threat to its regional hegemony and its quest to be a major world power. It also envies India seeking influence in Central, South and South-East Asia and for leadership positions in regional and global organizations.

भारत और चीन के बीच सम्बन्ध सतह पर सकारात्मक लगते हैं । दोनों देशों के बीच आर्थिक सम्बन्ध तेजी से बढ़ रहे हैं । और चीन का अगले दशक में भारत का अग्रिम व्यापारिक सहभागी बनना निश्चित है । द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हो रही है । स्त्रातेजिक सम्वाद को और आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय बैठकें हो रही हैं । वर्ष 2006 को भारत-चीन मैत्री वर्ष घोषित किया गया था । दोनों देशों के संपोष्य सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने तथा सम्बन्धों को गुणवत्ता के नवीन स्तर पर उन्नत करने हेतु, चीन जन गणतन्त्र के राष्ट्रपति, श्री हयु जिंताओ, ने इस वर्ष अपनी यात्रा के दौरान दस सूत्री स्त्रातेजी को मान लिया । इस व्यापक स्त्रातेजी के अंतर्गत, द्विपक्षीय सम्बन्ध, व्यापार एवं आर्थिक विकास, रक्षा सहयोग, सीमा सम्बन्धी विवादों पर सहमति, नाभिकीय शक्ति सहित विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा क्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग सम्मिलित थे । बीसवीं शताब्दी के अंत तथा इक्कीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में चीन और भारत का उत्थान विश्व अर्थव्यवस्था के विकास में एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटना है । मुख्य कारण यह है कि वे दोनों जनांकिकीय रूप से भीमकाय हैं, और यदि यह प्रवृत्ति आने वाले दशकों में जारी रही तो यह इस ग्रह के आर्थिक मानचित्र में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन ले आएगा । शीत युद्ध के समापन ने दक्षिण एशिया में तनावों में तात्कालिक कमी तो की परन्तु यह पहले से अधिक जटिल बनने के लिए थी । राष्ट्रों के बीच सम्बन्धों में अब आर्थिक दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है । भारत के बढ़ते हुए महत्त्व से चीन प्रसन्न नहीं है । वह अपने क्षेत्रीय आधिपत्य और प्रमुख विश्व शक्ति बनने के प्रयास में भारत को प्रमुख खतरा मानता है । वह मध्य, दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी एशिया में प्रभाव जमाने तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक संगठनों के स्थानों को पाने की भारत की चेष्टा के कारण उससे ईर्ष्या करता है ।

15. Examine Sino-Indian trade relations.
भारत-चीन व्यापारिक सम्बन्धों का परीक्षण करें ।

16. Identify the major irritants of Sino-Indian relations.
भारत-चीन सम्बन्धों के मुख्य उत्तेजकों को चिह्नित कीजिए ।

17. Assess the confidence building measures between India and China.
भारत और चीन के बीच विश्वास निर्मित करने वाले उपायों का आकलन कीजिए ।

18. How does Indo-U.S. strategic partnership affect Sino-Indian relations ?
भारत-अमेरिकी स्त्रातेजिक सहभागिता किस प्रकार भारत-चीन सम्बन्धों को प्रभावित करती है ?

19. Mention the main initiatives of the year 2006 for improving Sino-Indian relations.
भारत-चीन सम्बन्धों को सुधारने के लिए वर्ष 2006 में किए गए उपायों का उल्लेख करें ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....